बारिश से पहले नगरपालिका की जर्जर भवनों पर सख्ती, 26 जर्जर भवन चिन्हित

नवभारत न्यूज

बैतूल, 16 मई. शहर में मौजूद जर्जर भवनों पर नगरपालिका ने सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है।

जर्जर भवन मालिकों को जारी किये नोटिस

हादसों के कारणों को दृष्टिगत रखते हुए कार्रवाही

नगरपालिका प्रशासन ने जर्जर भवनों का सर्वे कर नोटिस जारी किये है, जिसमें भवनों के मालिकों को बारिश शुरू होने से पहले भवनों की मरम्मत कराने या उन्हें डिसमेंटल कराने के निर्देश दिए हैं। दरअसल आगामी वर्षा ऋतु में जर्जर हो चुके भवनों से दुर्घटना की संभावनाओं को देखते हुए नगरपालिका ने शहर के वार्डो में जर्जर भवनों का सर्वे शुरू कर दिया है। सर्वे के दौरान अब तक 26 भवन जर्जर हालत में चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नगर पालिका के रिकॉर्ड के अनुसार शहर में कुल 36 जर्जर भवन दर्ज हैं। इनमें से 8 भवनों के मामले न्यायालय में लंबित है, जिसके कारण उन पर तत्काल कार्रवाई नहीं हो सकी है। वहीं 3 भवनों को नगरपालिका द्वारा पहले ही खतरनाक स्थिति में होने के कारण डिसमेंटल कराया जा चुका है। इसके अलावा 7 मकान मालिकों ने स्वयं अपने भवनों को जर्जर हालत देखते हुए गिरा दिया था। अब शेष भवनों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। बता दे कि दशकों पहले बने इन भवनों की मियाद पूरी हो चुकी है। वे खंडहर की शक्ल ले चुके हैं। उनके कई हिस्से आए दिन टूटकर गिरते रहते हैं। बावजूद भवन

मालिकों द्वारा ऐसे भवनों की न तो मरम्मत कराई है और न ही डिस्मेंटल किया है। जिससे इन भवनों के बारिश में ढहने की संभावना रहती है और हादसा भी हो सकता है।

नगरपालिका द्वारा किया जा रहा जर्जर भवनों का सर्वे : नगरपालिका द्वारा शहर के सभी 33 वार्डों में सर्वे अभियान चलाकर भवनों की स्थिति का निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान यह देख रहा है कि कौन-कौन से मकान या व्यावसायिक भवन बारिश के दौरान खतरा बन सकते हैं। इस अभियान में 26 जर्जर भवन चिन्हित किए गए हैं। इन भवन मालिकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। नोटिस में भवन स्वामियों को स्पष्ट निर्देश दिए जा रहे हैं कि वे बारिश शुरू होने से पहले भवनों की मरम्मत कराएं अथवा उन्हें सुरक्षित तरीके से हटाएं। यदि तय समय सीमा में निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो नगरपालिका स्वयं कार्रवाई कर सकती है और खर्च भी भवन स्वामी से वसूला जा सकता है। शहर में कई भवनों की हालत ऐसी है, जिसे देखकर ही डर लगता है। उनकी छत और बरामदे की ईंट टूटकर गिर रही हैं। दीवारें फट चुकी हैं। इन भवनों के निर्माण को 60 साल से अधिक का समय बीत चुका है। भवनों की दीवारे कमजोर हो चुकी है।

> हमारे पास कुल 36 जर्जर भवनों की सूची हैं, पूर्व में दस जर्जर भवनों को डिसमेंटल किया जा चुका हैं। शेष 26 भवन जो जर्जर हालत में हैं, उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस में समय-सीमा में मकान को डिसमेंटल करने या मरम्मत कराने के निर्देश दिए हैं।
>
> **- नवनीत पांडे,** सीएमओ, नगरपालिका बैतूल

पुराने भवन बन सकते है हादसे का कारण

नगरपालिका अधिकारियों का कहना है कि बारिश के दौरान पुराने और कमजोर भवन कभी भी हादसे का कारण बन सकते हैं। इसलिए समय रहते कार्रवाई जरूरी है। इधर नगरपालिका द्वारा नोटिस जारी करने की खबर के बाद भवन स्वामियों में हडकंप की स्थिति देखी जा रही है। कई लोग अपने भवनों की स्थिति का पुनः आंकलन कराने में जुट गए हैं, जबकि कुछ लोग मरम्मत कार्य शुरू कराने की तैयारी कर रहे हैं। जानकारी बातते है कि नियमानुसार नगरपालिका सर्वे कराकर अपनी सीमा में स्थित जर्जर व खतरनाक भवनों को चिह्नित कर उन्हें जमींदोज कराने के लिए भवन स्वामी को नोटिस दे सकता है। नोटिस देने के बाद भी भवन स्वामी स्वेच्छा से निर्माण नहीं ढहाता है।

15 जून तक कार्रवाही पूरी करने के निर्देश

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं को वर्षा पूर्व व्यापक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि शहरी क्षेत्रों में मौजूद जर्जर भवनों की पहचान कर संबंधित अधिनियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि बारिश के मौसम में भवन गिरने जैसी घटनाओं से जनहानि न हो। विभागीय आदेश में कहा गया है कि सभी निकाय 15 जून 2026 तक यह कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण करें और उसका पालन प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करें। साथ ही यह संकेत भी दिए गए हैं कि निर्धारित समय-सीमा में कार्य नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जा सकती है।

एक नजर में

कार्यशाला में बताए डेंगू से बचाव के उपाय

मुलताई। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर नगर के सरकारी अस्पताल मे शनिवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला मे बीएमओ गजेंद्र मीणा,मलेरिया निरीक्षक दिवाकर किनकर, बीसीएम चन्दन भलावी,सीएचओ, एएनएम, आशा पर्यवेक्षक, आशा कार्यकर्ता एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में बीएमओ ने बताया डेंगू रोग संक्रमित मादा ऐडिज मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर दिन में अधिक सक्रिय रहता है। डेंगू होने पर मांसपेशियों एवं जोड़ो में दर्द, तेज बुखार, आंखो के पिछले हिस्से में दर्द तथा शरीर पर चकते पड़ना, दांत मसुड़ो से खून का रिसाव हो सकता है, उन्होंने रोग से बचाव पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। मलेरिया निरीक्षक दिवाकर किनकर ने कहा मच्छरो की उत्पत्ति रोकने हेतु लार्वा विनीष्टीकरण हेतु घरो में रखे संग्रहित पानी को हफ्ते में एक बार खाली करे तथा टाके टंकी को साफ धोकर सुखाकर नया पानी भरे तथा ढक कर रखे। छत पर रखे बेकार के कन्टेनर टायर, मटके, नारियल के खोल, टिन के डिब्बे आदि में पानी जमा न होने दें। घरो में रखे कूलर का पानी हफ्ते में एक बार खाली करे व नया पानी भरे। घरो के आसपास के गड्ढो को मिट्टी से भर दे। नालियों के जमा पानी की निकासी करे या पानी में जला आइल डाले। घरो के दरवाजे खिड़कियों पर मच्छर रोधी जाली लगाये। स्वयं फूल अस्तिन के कपड़े पहने। शाम को नीम पत्ति का धुंआं करें एवं रात में मच्छरदानी में सोये। अंत में डेगू की सामान्य जानकारी जन-जन तक पहुंचाने सभी कर्मचारियों ने शपथ ली। बीएमओ ने मुलताई अस्पताल मे 18 मई 2026 को आयोजित होने वाले विशाल स्वास्थ्य शिविर मे अधिक से अधिक हितग्राहियों को उपस्थित रखने के निर्देश कर्मचारियों को दिए।

शहर के कई क्षेत्रों में नहीं होगी जलापूर्ति

बैतूल। 33 केवी हमलापुर फीडर एवं 33 केवी हमलापुर उपकेंद्र पर प्रस्तावित मेंटेनेंस कार्य के चलते रविवार 17 मई को शहर की पेयजल आपूर्ति पूर्ण रूप से बाधित रहेगी। मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा जारी सूचना में बताया गया है कि मेंटेनेंस कार्य के कारण विवेकानंद वार्ड स्थित फिल्टर प्लांट की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके चलते रविवार को होने वाली पेयजल आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित रहेगी।

660 मेगावाट की नई यूनिट लगने से बदलेगी क्षेत्र की तस्वीर

सारनी। सतपुड़ा थर्मल पावर प्लांट में 660 मेगावाट की नई यूनिट लगने से क्षेत्र का विकास होने से एक बार फिर शहर की रौनक बदल जायेगी, वहीं दूसरी तरफ सतपुड़ा जलाशय पर पर्यटन विभाग के द्वारा 50 लाख की लागत से बने पार्क का एक बार फिर से नवीकरण करने तैयारी चल रही है। बताया जाता है कि पावर प्लांट की चार बडी इकाईयों के डिसमेंटल के बाद 660 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट के काम में तेजी आ जाएगी। नई यूनिट लगने से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होगा, मंडल प्रबंधन ने पर्यावरण संतुलन को बनाए

रखने के लिए प्रतिवर्ष हजारों पौधे का रोपण कर उनकी देखभाल करती है, जिससे शहर के चारो तरफ हरियाली का नजारा देखने को मिलता है। जानकर सूत्रों ने कहा कि नई यूनिट के कार्य मे सतपुड़ा डेम मे बदलाव एवं वन प्राणियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर रहे है। जिसका कोई औचित्य नहीं है। प्रदेश सरकार एवं पावर जनरेटिंग कंपनी सभी पहलू पर विचार विमर्श करके नई इकाई के निर्माण कार्य को हरी झंडी दी है। नई इकाई के निर्माण कार्य शुरुआती दौर में है। अभी केवल मजदूरों के लिए आवास बना रहे है, नई इकाई का कार्य जनवरी 2027 मे सभी मंजूरी मिलने के बाद शुरू हो सकता है। जानकर लोगो का मानना है कि पावर प्लांट सतपुड़ा के जंगल में घिरा होने की वजह से चूरना जंगल के वन प्राणियों का मूवमेंट कभी कभार देखने को मिलता है। इस क्षेत्र में हमेशा वनप्राणियों का मूवमेंट नहीं रहता है। जानकर सूत्रों का कहना है कि 660 मेगावाट क्षमता वाली नई यूनिट लगने से सतपुड़ा जलाशय एवं पर्यावरण तथा वन प्राणियों को ज्यादा नुकसान नहीं होने वाला है।

जनपद पंचायत में सूचना देने से बच रहे अधिकारी

आमला। जनपद पंचायत में सूचना का अधिकार अधिनियम के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। आवेदकों का आरोप है कि जिन जानकारियों का सीधा संबंध शासकीय कार्यों, संविदा नियुक्तियों, उपस्थिति रजिस्टर, सामान्य प्रशासन की बैठकों और सरकारी भुगतान से होता है, उन्हें भी व्यक्तिगत जानकारी बताकर देने से मना किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जनपद पंचायत में संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति, मानदेय, उपस्थिति (हाजरी) एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठकों से संबंधित दस्तावेज मांगे गए थे। लेकिन लोक सूचना अधिकारी

द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8(1)(जे) का हवाला देकर जानकारी देने से इंकार कर दिया गया। आरटीआई कार्यकर्ताओं का कहना है कि सरकारी कर्मचारी की हाजरी, नियुक्ति आदेश, वेतन/मानदेय एवं बैठक में लिए गए निर्णय निजी जानकारी की श्रेणी में नहीं आते, क्योंकि यह सीधे सरकारी कार्य एवं सार्वजनिक धन से जुड़े विषय हैं। ऐसे मामलों में जानकारी छिपाना पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है। जानकारों के अनुसार सूचना का अधिकार अधिनियम का उद्देश्य शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, लेकिन यदि सार्वजनिक अभिलेखों को भी निजी बताकर रोका जाएगा तो आम नागरिकों का सूचना पाने का अधिकार कमजोर होगा।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जनपद पंचायत में सब कुछ नियमों के तहत हुआ है तो जानकारी देने में परहेज क्यों किया जा रहा है।

शिविर के माध्यम से हजारों मरीजों को मिला स्वास्थ्य लाभ

पाथाखेड़ा। शोभापुर कॉलोनी स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक परिसर में आयोजित विशाल स्वास्थ्य शिविर में हजारों महिला, पुरुष एवं बच्चों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर राहत प्राप्त की। शिविर का आयोजन जनस्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया, जिसमें घोड़ाडोंगरी ब्लॉक अस्पताल के अधिकारियों की विशेष मौजूदगी रही। पूरे कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की निगरानी बीएमओ संजय शर्मा के नेतृत्व में की गई।स्वास्थ्य शिविर में नाक, कान, नेत्र रोग विशेषज्ञों सहित स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य परामर्श दिया। महिलाओं से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं की विशेष जांच की गई, वहीं बच्चों एवं बुजुर्गों के स्वास्थ्य परीक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया गया। मरीजों को निःशुल्क दवाइयों एवं गोलियों का वितरण भी किया गया।बीएमओ ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए इस प्रकार के शिविर लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर में अस्पताल स्टाफ, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं विभागीय कर्मचारियों ने व्यवस्थाएं संभालीं।

कलेक्टर ने किया ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने शुक्रवार को आठनेर विकासखंड के भ्रमण के दौरान धनौरा समूह नल-जल योजना के जल शुद्धिकरण संयंत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था एवं भविष्य की विस्तार योजनाओं की विस्तृत जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। पीएचई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जल शुद्धिकरण प्लांट की क्षमता 3.76 एमएलडी है तथा वर्तमान में योजना के माध्यम से 22 ग्रामों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने ग्राम जावरा में पेयजल आपूर्ति की स्थिति के संबंध में जानकारी

ली।अधिकारियों ने बताया कि ग्राम की जनसंख्या के अनुसार 55 एलपीसीडी मानक के तहत प्रतिदिन पेयजल प्रदाय किया जा रहा है। योजना का क्रियान्वयन वर्ष 2014-15 में किया गया था तथा वर्तमान में प्लांट पूर्ण क्षमता से संचालित हो रहा है। हालांकि, ग्रामों में जनसंख्या वृद्धि के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। कलेक्टर ने अधिकारियों से पूछा कि प्लांट की क्षमता बढ़ाने के लिए क्या कार्ययोजना बनाई गई है तथा क्या इसे निर्गुड़ जलाशय से जोड़ा जा सकता है। साथ ही उन्होंने आठनेर विकासखंड के शेष ग्रामों को समूह नल-जल योजना से जोड़ने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जल परीक्षण प्रयोगशाला का भी अवलोकन किया। उन्होंने पानी की गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया को देखा तथा एक सैंपल की टेस्टिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने लैब में संधारित रिकॉर्ड का भी परीक्षण कर गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने निर्देश दिए।

रक्तदान शिविर एवं रक्तदाता सम्मान समारोह 1 जून को

बैतूल। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल एवं श्री राम सेना प्रभात पट्टन के संयुक्त तत्वावधान में 1 जून दिन सोमवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभात पट्टन में दोपहर 12.30 बजे से 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के प्रमुख गोपाल साहू, गुलशन बंजारे, मयूर बंजारे, सुधीर बरई, नारायण बंजारे ने बताया कि रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले युवाओं का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया है। प्रहलाद साहू, महेश नायक, कमल रेवतकर ,संजय भद्रे ने बताया कि नियमित रक्तदान करने से हमारा हृदय स्वस्थ रहता है। 18 वर्ष से 60 वर्ष तक की आयु का कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने से शरीर में आयरन की मात्रा संतुलित रहती है जिससे धमनियों में खून गाढ़ा नहीं होता है और दिल का दौरा पड़ने की संभावना कम हो जाती है। जिला रक्त कोष अधिकारी डा अंकिता सीते ने बताया कि दान किए गए रक्त के प्लाज्मा की भरपाई शरीर 24 घंटे के भीतर कर लेता है और नई लाल रक्त कोशिकाओं के बनने से ऊर्जा का स्तर बढ़ता है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा पांच हजार के इनामी आरोपी

सारनी। अफीम की खेती करने के मामले में डेढ साल से फरार चल रहे पांच हजार के आरोपी दुमकाढाना निवासी सरवन परते को सारनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। टीआई जयपाल इवनाती ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध खेती पर प्रभावी नियंत्रण वीरेन्द्र जैन के निर्देशन में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सारणी पुलिस को अवैध अफीम खेती के प्रकरण में डेढ़ वर्ष से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी 2025 को थाना सारणी पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना पर गुणवंत बाबा मंदिर के पास पाथाखेड़ा क्षेत्र से आरोपी अजय बरई पिता विमल बरई, निवासी ग्राम वटकीडोह थाना चोपना को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध अफीम डोडा चूरा जप्त किया गया था। उक्त मामले में थाना सारणी में अपराध क्रमांक 112/25 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में आरोपी विनोद बरई उर्फ सोनू पिता विनय बरई उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम वटकीडोह थाना चोपना की अवैध अफीम की खेती में संलिप्तता सामने आई। आरोपी घटना दिनांक से लगातार फरार चल रहा था। इसके अतिरिक्त थाना रानीपुर में पंजीबद्ध अवैध अफीम खेती संबंधी अपराध क्रमांक 35/25 में भी आरोपी फरार था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक बैतूल द्वारा 5,000 का इनाम घोषित किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना सारणी एवं थाना रानीपुर पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर लगातार तलाश की जा रही थी। 16 अप्रैल 2026 को फरार आरोपी विनोद बरई उर्फ सोनू को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई।

कलेक्टर ने वनग्राम छिंदवाड़ा में लगाई चौपाल, सुनी जन समस्याएं

आठनेर। बैतूल कलेक्टर डॉक्टर सौरभ संजय सोनवने ने शुक्रवार रात्रि 9 बजे चौपाल कार्यक्रम में भाग लिया। एक सैकड़ा से अधिक ग्रामीण जनों ने उपस्थित होकर स्थानीय समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया। ग्रामीणों ने कहा कि बिजली की समस्या पेयजल की समस्या एवं सड़क मार्ग की समस्या काफी समय से बनी हुई है, जिसके ऊपर शासन ने अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया। कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य की दुकान की भी जानकारी ली। इसके पूर्व शासकीय महाविद्यालय आठनेर में खंड स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया था।

जिसमें सभी विभागों के शासकीय योजनाओं की समीक्षा की गई एवं अधूरे कार्यों की भी जानकारी ली वही शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आठनेर के प्रवीण अनुसूची की छात्राएं कुमारी दीपिका उईके, कुमारी दिशा धोटे, कुमारी दिव्या घोरसे ,कुमारी दिशा लहरपुरे, कुमारी इशिता साहू को भी सम्मानित किया गया ।वही प्राचार्य मदनलाल पटेल एवं प्राचार्य राजकुमार खाड़े ने बताया कि कुमारी दीपिका कांतिराम उइके ने जिले में कृषि संकाय से 12वीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर शाला व क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। आठनेर क्षेत्र के उन्नतशील कृषक मृदुल कृष्णा जायसवाल ने पारसढोह जलाशय से नहर के पानी का किसानों को पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलने एवं ठेकेदार द्वारा संतोषजनक कार्य नहीं किए जाने से क्षेत्र के कृषकों में असंतोष पनप रहा है उन्होंने इस समस्या के निराकरण हेतु भी एक ज्ञापन कलेक्टर को सौपा है । मृदुल जायसवाल ने बताया कि उन्होंने एक एकड़ जमीन 2007 में बस स्टैंड के निर्माण हेतु दान स्वरूप दी थी जिस पर आज तक भी कोई कार्यवाही नहीं होने से उन्होंने अपनी जमीन वापस करवाने की भी मांग रखी है।

फसल खरीदने के बाद व्यापारी नहीं कर रहे भुगतान

मुलताई। प्रभात पट्टन क्षेत्र के किसानों से लाखों रुपए की फसल खरीदने के बाद लाखो रुपए का भुगतान ना करते हुए टाला मटोली कर धोखाधड़ी करने प्रभात पट्टन निवासी तीन व्यापारियों के खिलाफ थाने मे आवेदन देकर केस दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। शनिवार को अधिवक्ता संघ अध्यक्ष सीएस चंदेल के साथ थाने पहुंचे किसान अमित पिता किसन सातपुते निवासी अमरावती घाट, राजू पिता गोविंदा बाड़बुदे अमरावती घाट, चेतन पिता साहबराव गावंडे हिवरखेड, ललित उर्फ रिशेष पिता दशरथ सिमैया निवासी सावंगी ने थाने मे सौपे आवेदन मे बताया अनावेदकगण ऋषिकेश पिता संजय भद्रे , नितेश पिता किसना भद्रे उम्र 28, किसना पिता नत्थू भद्रे तीनो अमरावतीघाट के स्थायी निवासी होकर गल्ला खरीदी का कार्य प्रभातपटटन में करीब 19-20 वर्षों से करते चले आ रहे है। जो कि किसानो से 2-3 वर्षों से गेहूँ, मक्का एवं सोयाबीन की फसल क्रय कर फसल की राशि का भुगतान समय पर करते थे, जिससे अनावेदकगण पर विश्वास रहा, जिससे अमित पिता किसन सातपुते अमरावती घाट से माह मार्च वर्ष 2026 में गेहूं कुल 51 क्विंटल 43 किलो राशि 2115 रू. के भाव से राशि 1,08,774 रुपए में किया गया। अनावेदकगण ने उससे कहा कि 8 से 10 दिन में पैसे दे, देता हूँ जो कि 15 अप्रैल तक नहीं दिए जाने पर उसने अनावेदकगण से सम्पर्क किया तो अनावेदकगण द्वारा मात्र 50 हजार रुपए बड़े मुश्किल से नगद दिए एवं यही कहते रहा है कि 4-5 दिन में व्यवस्था होते ही पुरा भुगतान कर देता है। लेकिन अनावेदकगण द्वारा फसल की बकाया राशि 58 हजार 774 का भुगतान ना कर टाला मटोली करते रहे। इसी तरह राजू पिता गोविंदा बाड़बुदे अमरावती घाट के 4 हजार 218 रुपए, चेतन पिता साहबराव गावंडे निवासी हिवरखेढ़ के 8 लाख 14 800 रुपए तथा ललित उर्फ रिशेष पिता दशरथ सिमैया निवासी सावंगी के 1लाख 87 हजार 714 रुपए फसलों के नही दे रहा है। किसानो का कहना है अनावेदकगण आपस में मिलकर प्रभातपटटन तहसील के ग्रामीण भोले-भाले कृषको को बहला फुसलाकर उनकी फसल को खरीद कर कुछ नकद राशि देकर बकाया राशि के लिए कुछ समय मांगते है एवं राशि ना देकर धोखाधडी करते है।

10 हजार के इनामी गांजा तस्कर समेत दो आरोपी गिरफ्तार

पाथाखेड़ा। पुलिस ने गांजा तस्करी मामले में फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 मई 2026 को थाना सारनी में दर्ज अपराध क्रमांक 146/26 एवं 147/26 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत आरोपी बबलू धुर्वे एवं शेख फरीद को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। उक्त प्रकरणों में एक अन्य आरोपी सरवन पिता फुलकर परते निवासी दुमकाढाना घटना दिवस से फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। विवेचना सारनी पुलिस द्वारा गठित विशेष टीम ने मुखबिर सूचना के आधार पर शुक्रवार को फरार आरोपी सरवन परते को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने गांजा खरीदने की जानकारी रामू उईके निवासी बगडोना से होना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रामू उईके को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सरवन पिता फुलकर परते उम्र 38 वर्ष निवासी दुमकाढाना एवं रामू पिता भोदू उईके उम्र 60 वर्ष निवासी बगडोना शामिल हैं। दोनों आरोपियों को शुक्रवार को माननीय न्यायालय बैतूल में पेश किए जाने की प्रक्रिया पूरी की गई। पूरी कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक जयपाल इनवाती के नेतृत्व में उपनिरीक्षक मनोज उईके, सुनील गौर, शैलेन्द्र सिंह तथा आरक्षक मोहित भाटी एवं रविमोहन की टीम द्वारा अंजाम दी गई।

दीपक वोहरा का आगमन जन परिषद के लिए गौरव

भौंरा। जन परिषद के वार्षिक उत्सव में इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पूर्व राजनयिक एवं भारत सरकार के वरिष्ठ पूर्व राजदूत दीपक वोहरा की उपस्थिति आयोजन का मुख्य आकर्षण रहेगी। उनके आगमन को लेकर जन परिषद के पदाधिकारियों एवं क्षेत्र के लोगों में उत्साह का वातावरण है। जन परिषद के इंटर स्टेट कमेटी सचिव कैलाश प्रसाद अग्निहोत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि दीपक वोहरा भारतीय विदेश सेवा के अत्यंत प्रतिष्ठित सेवानिवृत्त राजनयिक रहे हैं। उन्होंने आर्मेनिया, जॉर्जिया, सूडान, दक्षिण सूडान एवं पोलैंड सहित कई देशों में भारत के राजदूत के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दी हैं। इसके अलावा वे अंतरराष्ट्रीय संबंधों एवं रणनीतिक विषयों के विशेषज्ञ के रूप में भी अपनी पहचान रखते हैं। उन्होंने बताया कि समारोह में मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, एयर मार्शल प्रमोद श्रीवास्तव तथा मध्यप्रदेश शासन के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी अनुपम राजन को भी आमंत्रित किया गया है। इन प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति से समारोह को विशेष गरिमा प्राप्त होगी। अग्निहोत्री ने बताया कि प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दीपक वोहरा अपने प्रभावशाली वक्तृत्व, स्पष्ट विचारों एवं दूरदर्शी सोच के लिए विशेष रूप से पहचाने जाते हैं। ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व की उपस्थिति से जन परिषद के वार्षिक उत्सव को नई पहचान एवं गरिमा प्राप्त होगी। अग्निहोत्री ने जन परिषद अध्यक्ष एन.के. त्रिपाठी एवं रामजी श्रीवास्तव के नेतृत्व एवं प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता एवं उत्कृष्ट आयोजन क्षमता के कारण ही इस स्तर का आयोजन संभव हो पाया है। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए अधिक से अधिक लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की।